

मुंबई, यशभारत। भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार, 23 सितंबर को बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा चढ़कर 74,600 के स्तर के ऊपर पहुंचा, जबकि निफ्टी भी 23,350 के पार कारोबार करता नजर आया। शुरुआती कारोबार में मेटल, एफएमसीजी, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। वहीं आईटी और मीडिया सेक्टर दबाव में रहे। निफ्टी के शेयरों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व में अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर टीसीएस, विप्रो और इंकोसिस के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। शुरुआती कारोबार में अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए। निफ्टी मेटल में 1.14% की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी एफएमसीजी 0.61% और निफ्टी फाइनेशियल सर्विसेज 0.36% चढ़ा।

जहरीली शराब कांड के 30 हजार के इनामी का शॉर्ट एनकाउंटर

फायरिंग के बाद सागर पुलिस की जवाबी कार्रवाई, पैर में लगी गोली; साथी आशीष साहू भी घायल



सागर, यशभारत। जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद सागर में पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को मामले के 30 हजार रुपए के इनामी आरोपी मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर और उसके साथी आशीष साहू का शॉर्ट एनकाउंटर किया। मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया-सेसई रोड पर पुलिस और आरोपियों का आमना-सामना हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मनीष लोधी के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी आशीष साहू भी घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से दो देसी कट्टे, पांच राउंड के खोखे और एक बेसबॉल का डंडा बरामद किया है।



मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नोनिया-सेसई रोड पर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान आरोपी पुलिस टीम के सामने आ गया और उसने बचने के लिए कथित तौर पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। इसी दौरान मनीष के पैर में गोली लगी। गोली लगने के बाद वह घायल होकर जमीन पर गिर गया। उसके साथ मौजूद आशीष साहू भी घायल हुआ। पुलिस ने दोनों को तत्काल कब्जे में लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल से दो देसी कट्टे और पांच राउंड के खोखे बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से बेसबॉल का डंडा भी मिला है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के पास हथियार कहां से पहुंचे और घटना के समय उनके साथ और कौन लोग मौजूद थे। बरामद हथियारों और अन्य सामग्री को जांच के लिए सुरक्षित किया गया है।

ईगल बैटरी



सोलर इनवर्टर बैटरी




लाइफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक

मो.नं. 9200792000



Ride Home in Style
with Suzuki's Best Offer!

EXCHANGE 10 YEARS **FINANCE ₹6000**

EXCHANGE OFFER UP TO ₹10,000 **LEASE UP TO 100%**

NO HYPOTHECATION



KHATWANA BUILDING



Intenics Solar And Hybrid Lighting

✓ Save Electricity ✓ Save Wiring ✓ 2 Year warranty

Made In India



Inviting Distributors And Dealers

7880024499, 7880024466

विशुद्ध हेल्थ केयर

माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लेब

● **ल्यूडप्रेशर** ● **डाइबिटीज** ● **अस्थिमा**

● **इलर** एवं **वायरड रेग हेतु समर्पित सेंटर**

● **डॉ. अंकित सेठ** ●

एच.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायग्नोस्टिसिएन

● **डॉ. राशि सेठ** ●

कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट

फ़ोन:- 23665, राईट यार्ड, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर

Ph.: 0761-4035454, M.: 9752000122

पटना में लाखों की नकदी के साथ तीन गिरफ्तार, गुजरात से कोलकाता ले जाई जा रही थी रकम

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में पुलिस और आयकर विभाग ने हवाला नेटवर्क से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इनके पास से करीब 30 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद होने के बाद जांच एजेंसियों ने मामले की पड़ताल तेज कर दी है। जांच का दायरा बढ़ते हुए शहर के कई ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई भी जारी है।

मामला बुद्ध कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित अरण्य बलभद्र अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर



मूर्ति विसर्जन में हादसे: बिहार-लखनऊ में 14 डूबे, 3 की मौत, 8 लापता

पटना/लखनऊ। कर्मा-धर्मा और गणेश पूजा की मूर्ति विसर्जन के दौरान बिहार और लखनऊ में नदी में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग हादसे का शिकार हो गए। बिहार के पटना जिले में गंगा में विसर्जन के दौरान 11 लोग डूबने लगे। इनमें चार लोगों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया, जबकि एक युवक का शव बरामद हुआ है और छह लोगों की तलाश जारी है। वहीं, लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में सई नदी में गणेश प्रतीमा विसर्जन के दौरान तीन युवक डूब गए। इनमें एक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दो की तलाश एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों कर रही है। पटना जिले के बाढ़, अथमलगोला और बरहतराकपुर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाएं हुईं। बाढ़ के पोस्ट ऑफिस घाट पर मूर्ति विसर्जन के बाद खान करने के दौरान तीन युवक डूबने लगे। एक को बचा लिया गया, जबकि पीरूष कुमार (10) और सुजीत कुमार (15) लापता हैं। अथमलगोला के उरमानापुर में विसर्जन के दौरान भाई-बहन गंगा में डूब गए। दोनों की तलाश जारी है। बरहतराकपुर के चंपापुर गांव के पास छह युवक विसर्जन के दौरान गंगा में डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने तैनी को बचा लिया। तीन अन्य में सहिल कुमार की मौत हो गई, जबकि गोलू कुमार और बलवीर कुमार की तलाश जारी है।

तीसरे एशियाड में पूरा हुआ सपना



उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम को स्वर्ण

स्पर्धा में उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम ने 215 किग्रा के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्लैच में 94 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 121 किग्रा वजन उठाया। इंडोनेशिया की विजायाना लुलुक डियाना त्रि ने 191 किग्रा के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

1998 के बाद भारत को मिला पदक

मीराबाई के रजत पदक ने एशियाई खेलों में भारोत्तोलन के क्षेत्र में भारत का लंबा इंतजार समाप्त कर दिया। भारत ने इससे पहले 1998 बैकॉक एशियाई खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी के जरिए भारोत्तोलन में रजत पदक जीता था। उसके बाद भारतीय भारोत्तोलकों को एशियाई खेलों में पदक नहीं मिल सका था। मीराबाई ने 28 साल बाद इस सिलसिले को तोड़ दिया।

एआई से बदला युद्ध का चेहरा, ड्रोन बने नए हथियार

मदन गर्ग

जबलपुर। कभी शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में वीडियोग्राफी तथा फूल बरसाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रोन आज आधुनिक युद्ध के महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने ड्रोन की सैन्य उपयोगिता को व्यापक स्तर पर सामने रखा है। निगरानी से लेकर सटीक हमलों और काउंटर-ड्रोन अभियानों तक इनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

आधुनिक युद्ध में छोटे एफपीवी (First Person View) ड्रोन, लोडिंगरिंग म्यूनिशन, मानवरहित हवाई वाहन (UAV) और ड्रोन स्वामं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एफपीवी ड्रोन को ऑपरेटर कैमरे के माध्यम से नियंत्रित करता है और युद्धक्षेत्र में निगरानी तथा लक्षित हमलों के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। लोडिंगरिंग म्यूनिशन लक्ष्य क्षेत्र में कुछ समय तक



मंडराने के बाद लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम होते हैं।

ड्रोन तकनीक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कंप्यूटर विजन का इस्तेमाल भी बढ़ रहा है। इससे नेविगेशन, वस्तु पहचान और लक्ष्य की निगरानी जैसे कार्य अधिक स्वचालित हो सकते हैं। वहीं ड्रोन स्वामं में बड़ी संख्या में ड्रोन नेटवर्क के माध्यम से समन्वित तरीके से काम करते हैं। इससे एक साथ कई दिशाओं से कार्रवाई करने की क्षमता विकसित होती है।

30 लाख कैश ने खोला हवाला का राज 3000 करोड़ के नेटवर्क की आशंका



101 से जुड़ा है। बताया गया है कि एक कार से टक्कर के बाद पुलिस ने सदिग्ध इनोवा क्रिस्टा का पीछा किया। वाहन को रोककर तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में नकदी मिली। रकम के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने वाहन में सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान

संजय कुमार, दिग्विजय ठाकुर और पटेल कारण कुमार सिंधाभाई के रूप में बताई गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार तीनों गुजरात से इनोवा क्रिस्टा में नकदी लेकर निकले थे और रकम की डिलीवरी कोलकाता में किए जाने की बात सामने आई है। इसी दौरान पटना में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और पुलिस की नजर वाहन पर पड़ गई। नकदी बरामद होने

आजमगढ़ में खूनी पूजा का खौफनाक अंत

पत्नी-पुजारियों को गोलियों से भूना, बच्चों को बनाया बंधक

आजमगढ़, यशभारत। आजमगढ़ जिले के शंभुपुर गांव में मंगलवार शाम हुई सनसनीखेज वारदात के बाद करीब आठ घंटे तक चले गतिरोध का अंत पुलिस मुठभेड़ में हुआ। पत्नी और दो पुजारियों की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी अरविंद सिंह ने अपने तीन बच्चों को घर के भीतर बंधक बना लिया था। पुलिस के मुताबिक, बच्चों को बचाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनकाउंटर में आरोपी ढेर



महेंद्र पाठक की पहचान पुजारी के रूप में हुई है। घटना के दौरान दो अन्य पुजारी मौके से भागने में सफल रहे। तीनों की हत्या के बाद अरविंद ने अपने तीन बच्चों को घर के भीतर बंद कर लिया और खुद भी अंदर रहकर पुलिस को चुनौती देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके को घेर लिया और आरोपी से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा आत्मसमर्पण करने की लगातार अपील की। आजमगढ़ एसएसपी डॉ. अनिल कुमार के मुताबिक, आरोपी बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसी दौरान उसने कमरे के भीतर बच्चों पर भी गोली चलाई, जिसमें उसके

10 वर्षीय बेटे को गोली लग गई। पुलिस के मुताबिक, बच्चों की ओर से खरासा सामने आने के बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई की। गोली चलने की आवाज सुनाई देने पर पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़कर भी अंदर रहकर पुलिस को चुनौती देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके को घेर लिया और आरोपी से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा आत्मसमर्पण करने की लगातार अपील की। आजमगढ़ एसएसपी डॉ. अनिल कुमार के मुताबिक, आरोपी बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसी दौरान उसने कमरे के भीतर बच्चों पर भी गोली चलाई, जिसमें उसके

मंत्रियों की ‘वलास’ आज से, कल रिव्यू, तैयार होगा रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली, यशभारत। मोदी सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा के लिए बुधवार से दो दिवसीय चिंतन शिविर शुरू हो गया। ‘विकसित भारत2047’ की थीम पर आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रियों के साथ सरकार की प्राथमिकताओं, योजनाओं की प्रगति और जनता से जुड़े मुद्दों पर मंथन करेंगे। शिविर 24 सितंबर तक चलेगा। पहले दिन मंत्रियों को अपने विभाग और क्षेत्र से जुड़े कामकाज पर प्रेजेंटेशन देना है। दूसरे दिन इन प्रस्तुतियों और काम की समीक्षा की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रियों के प्रदर्शन को ‘एक्सीलेंट’, गुड, एवरेज और पुअर’ जैसी श्रेणियों में आंका जा सकता है। तैयार रिपोर्ट कार्ड को भविष्य



युवाओं के साथ संवाद के लिए अब तक क्या कदम उठाए, उनके क्षेत्र में युवाओं के प्रमुख मुद्दे क्या हैं और इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या योजना बनाई गई है। UGC से जुड़े मुद्दे भी एजेंडे में बताए गए हैं। इसके अलावा महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित विधायी कदमों पर भी चर्चा और मंत्रियों से सुझाव लिए जाने की बात सामने आई है।

में कैबिनेट फेरबदल के दौरान भी आधार बनाए जाने की चर्चा है।

Gen Z और रोजगार पर खास फोकस – चिंतन शिविर में युवाओं, खासकर तददुर् के साथ संवाद, रोजगार और मौजूदा मुद्दों को लेकर सरकार की रणनीति पर चर्चा होगी। मंत्रियों से पूछा जाएगा कि उन्होंने

युवाओं के साथ संवाद के लिए अब तक क्या कदम उठाए, उनके क्षेत्र में युवाओं के प्रमुख मुद्दे क्या हैं और इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या योजना बनाई गई है। UGC से जुड़े मुद्दे भी एजेंडे में बताए गए हैं। इसके अलावा महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित विधायी कदमों पर भी चर्चा और मंत्रियों से सुझाव लिए जाने की बात सामने आई है।

में भूमिका निभाई। इसके साथ ही स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के विकास पर जोर बढ़ा है। भारत के अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश भी ड्रोन क्षमता बढ़ाने में जुटे हैं।

पाकिस्तान ने चीन और तुर्किये के साथ सहयोग के जरिए अपनी मानवरहित हवाई क्षमता विकसित की है। बांग्लादेश ने चीन के साथ स्थानीय स्तर पर ड्रू निर्माण और असेंबली क्षमता विकसित करने के लिए समझौता किया है।

ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ काउंटर-ड्रोन तकनीक भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। रेंडियो-फ्रीक्वेंसी जैमिंग, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, माइक्रोवेव और डायरेक्टेड-एनर्जी जैसी तकनीकों पर काम हो रहा है। कुल मिलाकर, ड्रोन ने युद्ध की रणनीति और तकनीक दोनों को बदलना शुरू कर दिया है। आने वाले समय में एआई, स्वामं और स्वतंत्र प्रणालियां युद्धक्षेत्र की तस्वीर को और बदल सकती हैं। भारत के लिए चुनौती अत्याधुनिक ड्रोन बनाने के साथ-साथ मजबूत ड्रोन-रोधी सुरक्षा तंत्र विकसित करने की भी है।



शिव मंदिर गणेश उत्सव समिति भरतपुर



नव जगति परिवार दरहाई



उत्कल यादव नवयुवक गणेश उत्सव समिति



गणेश उत्सव समिति, निवाइगंज



बाल मिलन गणेश उत्सव समिति, बेलबाग

गणेशोत्सव के रंग में रंगी संस्कारधानी

पंडालों में बप्पा के मनोहारी स्वरूप ने मोहा भक्तों का मन, देर रात तक सड़कों उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

जबलपुर, यशभारत।

संस्कारधानी इन दिनों पूरी तरह गणेशमय नजर आ रही है। शहर के गली-मोहल्लों से लेकर प्रमुख क्षेत्रों तक सजे गणेश पंडालों में भगवान गणेश के आकर्षक और मनोहारी स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। भव्य साज-सज्जा, रंग-बिरंगी रोशनी और धार्मिक झांकियों के बीच सुबह से देर रात तक बप्पा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। हर और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गुंज रहे हैं। मंगलवार को शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में गणपति के अलग-अलग स्वरूपों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कहीं मां पार्वती की गोद में बाल गणेश का मनमोहक स्वरूप सजाया गया, तो कहीं भगवान भोलेनाथ की पीठ पर विराजे बाल



गणेश की झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भक्त झांकियों के दर्शन कर बप्पा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए।

देर रात तक जारी रहा दर्शन का सिलसिला

गणेश पंडालों में शाम ढलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगती है।

परिवार के साथ लोग पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं। कई स्थानों पर आकर्षक विद्युत सजावट और भव्य झांकियों के चलते पंडाल देर रात तक

श्रद्धालुओं से गुलजार रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

भक्ति और आस्था का माहौल

शहर के घरों, मंदिरों और सार्वजनिक पंडालों में गणपति आराधना का दौर जारी है। कहीं भजन-कीर्तन हो रहे हैं तो कहीं धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। गणेश प्रतिमाओं की विशेष पूजा और आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। ढोल-नगाड़ों और गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। गणेशोत्सव के चलते संस्कारधानी में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

गणेश पंडालों में विद्युत सुरक्षा की जांच, कटे-फटे तार और मीटर बायपास मिलने पर कार्रवाई

जबलपुर, यश भारत। गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विद्युत कंपनी और विद्युत सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार शाम शहरभर के गणेश पंडालों का निरीक्षण किया। शाम 6:30 से रात 8:30 बजे तक चले अभियान में पंडालों में विद्युत कनेक्शन, तारों, झालरों और साज-सज्जा में इस्तेमाल की जा रही विद्युत सामग्री की जांच की गई। अभियान के दौरान जिन गणेश उत्सव समितियों ने पंडालों की साज-सज्जा के लिए टीसी कनेक्शन नहीं लिया था, उन्हें नोटिस देकर तत्काल नियमानुसार कनेक्शन लेने की चेतावनी दी गई। वहीं कटे-



फटे तार और अमानक विद्युत सामग्री का उपयोग पाए जाने पर संबंधित समितियों और डेकोरेटरों को तत्काल सुधार करने के निर्देश

दिए गए। टीम ने इलेक्ट्रीसिटी एक्ट के तहत आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की हिदायत भी दी। निरीक्षण के दौरान गोरखपुर

क्षेत्र में शारदा टॉकीज के सामने स्थित गणेश पंडाल के डेकोरेशन में कटे हुए तार और मीटर बायपास मिला। इस पर पंचनामा कार्रवाई करते हुए तार ज्वब्त किए गए। इसी तरह गोरखपुर मेन रोड स्थित खैरमाई मंदिर के डेकोरेशन में भी कटे-फटे और खुले तार पाए गए। यहां भी पंचनामा तैयार कर तार ज्वब्त किए गए। अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा ने गणेश उत्सव समितियों और डेकोरेटरों से विद्युत सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित डेकोरेटरों के खिलाफ एफ्फाईआर दर्ज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

लम्हेटा बायपास में चलती कार बनी आग का गोला, परिवार बाल-बाल बचा

जबलपुर, यश भारत। लम्हेटा बायपास पर मंगलवार देर रात एक चलती कार अचानक आग की चपेट में आ गई। कार में परिवार के सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित लौट रहे थे। इसी दौरान कार से अचानक धुआं उठता देखकर चालक ने तत्काल गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। चालक ने बिना देर किए कार में सवार परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनके बाहर निकलते ही कार में तेजी से आग फैल गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गनीमत रही कि हदसे में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई और कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में आग लगने का कारण फ्लिहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

विशाल सक्सेना को पीएचडी की उपाधि, मप्र में वाइल्ड लाइफ टूरिज्म पर किया शोध

जबलपुर, यशभारत। मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रबंधन संकाय द्वारा विशाल सक्सेना को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने लेवरजिंग फैक्टर्स ऑफ मार्केटिंग मिक्स इन द पर्सपेक्टिव ऑफ़ पीपल, प्रोसेस, एंड फिजिकल एंविर्नमेंस इन प्रमोटिंग वाइल्ड लाइफ टूरिज्म इन मध्यप्रदेश विषय पर अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया। विशाल सक्सेना ने अपना शोध कार्य मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन, प्रबंधन विभाग डॉ. आशीष मिश्रा के निर्देशन में पूर्ण किया। विशाल सक्सेना, गोविंद सक्सेना एवं श्रीमती सावित्री सक्सेना के सुपुत्र हैं।

जबलपुर की आवाज का आयोजन 7 से 14 अक्टूबर तक

जबलपुर, यश भारत। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के तत्वावधान में 'जबलपुर की आवाज' कार्यक्रम का आयोजन 7 से 14 अक्टूबर तक किया जाएगा। 7 से 13 अक्टूबर तक लोक गायन, गजल गायन, गीत-संगीत, एकल काव्य पाठ और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रसंग संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने बताया कि 14 अक्टूबर को विराट कवि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह होगा। प्रत्येक विधा के पांच उत्कृष्ट विजेता प्रतिभागियों को 'जबलपुर की आवाज' सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। इसके अलावा अन्य सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। आयोजन बिना उद्घोषक के निरंतर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक प्रतिभागी 30 सितंबर तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए मोबाइल नंबर 7999516858 पर संपर्क किया जा सकता है।

वकीलों की सुविधाओं व दलाली पर रोक को लेकर अधिवक्ताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के तत्वाधान में राष्ट्रीय महामंत्री जय सचदेवा और जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वकीलों ने गोरखपुर, अधराताल व रांडी तहसील में समुचित बैठक व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं के अभाव और बढ़ते भ्रष्टाचार पर चिंता जताई। 'च' का आरोप है कि दलाल और बिल्डर साठ-गांठ कर बिना अधिवक्ताओं व आवेदकों के धड़ड़े से नामांतरण करा रहे हैं। प्रशासन को दलालों पर अंकुश लगाने के लिए 15 दिन का समय देते हुए मांगें न पूरी होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी गोरखपुर और सीएससी गोरखपुर से मुलाकात कर दो साथी अधिवक्ताओं के मामलों में एक सप्ताह के भीतर प्रकरण पंजीबद्ध कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान एडवोकेट रजनीश यादव, मनमोहन चतुर्वेदी, देवाशीष यादव, अजय शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।



भारतीय किसान संघ ने बिजली समस्याओं को लेकर अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन



जबलपुर, यशभारत।

भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के प्रतिनिधि मंडल ने विद्युत नियामक आयोग के सदस्य व संभाग उपाध्यक्ष दामोदर पटेल के नेतृत्व में बिजली विभाग से संबंधित किसानों की समस्याओं और आगामी रबी सीजन की सिंचाई को लेकर अधीक्षण अभियंता म.प्र. पू. क्षेत्र, विद्युत वितरण कंपनी, जबलपुर ग्रामीण को एक ज्ञापन सौंपा है। किसानों की सभी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर अधीक्षण अभियंता ग्रामीण खुशियाल शिववंशी ने आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। साथ ही

उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किसानों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने की बात भी कही। भारतीय किसान संघ की मांग पर जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के उनीस ट्रांसफॉर्मर बदलने के आदेश जारी किए जाने पर संभाग उपाध्यक्ष दामोदर पटेल ने विद्युत विभाग व प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

12 घंटे बिजली की मांग

पाटन तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी ने बताया कि रबी सीजन में किसानों को 12 घंटे बिजली की आपूर्ति की मांग रखी गई। साथ ही,

यदि मेटेनेंस के कारण बिजली बंद की जाती है, तो उसकी भरपाई अतिरिक्त बिजली देकर की जाए। जले ट्रांसफॉर्मर बदलने व उनकी क्षमता वृद्धि करने, ट्रांसफॉर्मरों की ?खराब लीड्स को बदलने, बिजली कटौती पर रोक लगाने की मांग रखी गई। शहपुरा तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र साहू ने बेलखेड़ा पावर हाउस के ट्रांसफॉर्मर नंबर 3 की क्षमता 5 MVA से बढ़ाकर 8 MVA की जाए ताकि सिंचाई के समय बार-बार होने वाली ट्रिपिंग बंद हो सके। श्री साहू ने पिपरिया सब-स्टेशन की बिजली स्पल्टाई बेलखेड़ा कटाई घाट पावर स्टेशन से जोड़ने, मेटेनेंस एवं पेड़ों की छंटाई करने, पुराने व खराब तारों का बदलने, बड़े हुए कृषि पंप बिलों की जाँच किसान के समक्ष मीटर चेक करके करने, ओवरलोड की समस्या का समाधान, बिना सूचना तार न हटाने की मांग की। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, संभाग उपाध्यक्ष दामोदर पटेल, आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

दादा गुरु के सानिध्य में हुआ गौर गणेश निर्माण एवं पूजन



यादव सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। आयोजन के संयोजक भाजपा नेता भारत सिंह यादव ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का

स्वागत करते हुए समिति के सदस्यों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आस्था एवं आपसी एकता को मजबूत करते हैं।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



जबलपुर यशभारत। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत +हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर जबलपुर रेल मंडल के पिपरिया एवं नरसिंहपुर में पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. आर. कुरें ने संतुलित एवं पौष्टिक महत्व, मातृ स्वास्थ्य तथा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के अहम पर जानकारी दी। उन्होंने ताजा भोजन, फल-सब्जियां, साबुत अनाज, पर्याप्त प्रोटीन एवं पानी के सेवन तथा जंक फूड से दूरी रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही योग, व्यायाम, खेलकूद एवं स्क्रीन टाइम सीमित करने के महत्व पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर कुपोषण, एनीमिया एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार के प्रति जागरूक किया गया। रेलवे हॉस्पिटल, रेलवे कॉलोनी एवं स्टेशन परिसर में जागरूकता रैली निकाली गई तथा उद्घोषणा के माध्यम से कर्मचारियों एवं यात्रियों को पोषण संबंधी संदेश दिए गए।

संस्कारधानी में धरातल पर उतरीं केंद्र व राज्य की नीतियां: वेस्ट-टू-एनर्जी, स्वच्छ वायु और सी.एम. हेलपलाइन निवारण में बना नंबर-1

सुशासन, विकास और स्वच्छता की नई मिसाल : जबलपुर नगर निगम ने राष्ट्रीय पटल पर स्थापित किए नए कीर्तिमान

यश भारत, जबलपुर।

भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन की जनोन्मुखी नीतियों को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारते हुए नगर निगम जबलपुर ने विकास, सुशासन और जनसेवा का एक नया अध्याय लिखा है। महापौर व निगमायुक्त के कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक दक्षता के बल पर जबलपुर नगर निगम आज न केवल प्रदेश में बल्कि राष्ट्रीय पटल पर अपनी चमक बिखेर रहा है। आधुनिक संसाधनों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जन-भागीदारी के बूते शहर की तस्वीर तेजी से बदल रही है।

कचरे से रोशन हो रहा शहर- वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की ऐतिहासिक सफलता नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए बंद पड़े वेस्ट टू एनर्जी प्लांट को नए सिरे से पूरी क्षमता के साथ शुरू कराया है। 11.5 मेगावाट बिजली का उत्पादन: इस अत्याधुनिक प्लांट में प्रतिदिन 500 से 900 टन कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण कर रोजाना 11.5 मेगावाट बिजली बनाई



जा रही है। यह पहल स्वच्छता के साथ-साथ हरित ऊर्जा के निर्माण में ऐतिहासिक उपलब्धि बनकर उभरी है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में देश भर में मिला तीसरा स्थान

शहर की आबोहवा को बेहतर बनाने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का ही

सुखद परिणाम है कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण' में जबलपुर ने पूरे देश में तीसरा स्थान हासिल कर संस्कारधानी को गौरवान्वित किया है।

सड़कों की मैकेनाइज्ड स्वीपिंग, आधुनिक एंटी-स्मॉग गन और हरित पहातों से प्रदूषण पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है।

लागूतार 12 महीनों से सीएम हेलपलाइन में 'नंबर-1'

नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान में जबलपुर नगर निगम पूरे मध्य प्रदेश के लिए एक मिसाल बन गया है।

शत-प्रतिशत संतुष्टि के साथ निराकरण: सी.एम. हेलपलाइन के

अंतर्गत दर्ज शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान में नगर निगम लागूतार 12 महीनों से पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है।

* इससे आम जनता का नगर निगम प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

हर घर पहुंच रहा मां नर्मदा का पावन जल, सीवरेज नेटवर्क दुरुस्त

शहरवासियों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अमृत योजना के तहत युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है। * शहर के प्रत्येक वार्ड और हर घर तक मां नर्मदा का शुद्ध पेयजल पहुंचाने का संकल्प पूरा किया जा रहा है। * साथ ही, शहर को जल-भराव और गंदगी से मुक्ति दिलाने के लिए वैज्ञानिक सीवरेज प्रणाली का विस्तार किया जा रहा है।



अत्याधुनिक वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, जहां प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरे से तैयार हो रही 11.5 मेगावाट बिजली।



हर घर तक शुद्ध पेयजल: अमृत योजना के तहत बनाई जा रही पानी की टंकी।



हाईटेक मशीनों व आधुनिक बेड़े के साथ शहर की सड़कों को चमकाते नगर निगम के सफाई मित्र।



मॉडल हाई स्कूल में जीआरपी का 'जोश टॉक' और 'उमंग' कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर यशभारत। विद्यार्थियों को साइबर अपराध, नशे, बुलिंग और महिला एवं बाल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा मॉडल हाई स्कूल में 'जोश टॉक' एवं 'उमंग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं से पुलिस अधिकारियों ने सीधे संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सुरक्षित रहने के उपाय बताए। उक्त कार्यक्रम थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, नशे से दूरी, यातायात नियमों का पालन, बुलिंग, पॉक्सो एक्ट तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, संदिग्ध कॉल या मैसेज से सावधान रहने तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत करने के लिए प्रेरित किया।

पॉक्सो पर भी किया जागरूक- कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बुलिंग और मानसिक प्रताड़ना के दुष्प्रभावों के बारे में समझाया गया। साथियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने तथा किसी भी तरह की परेशानी होने पर माता-पिता, शिक्षक या पुलिस से बिना झिझक सहायता लेने की बात कही गई।



चित्रगुप्त मंच पर विराजे गणपति, भजन संध्या में गूंजे भक्ति गीत

जबलपुर, यश भारत। वसुंधरा कॉलोनी, चेरीताल स्थित चित्रगुप्त गणमंच में विराजे भगवान गणेश की महाआरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। महाआरती में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, पार्षद प्रतिभा भापकर, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शंकर

श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव सुनील श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संदीप जैन ने भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर आयोजन किया गया। महाआरती में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, पार्षद प्रतिभा भापकर, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शंकर

किया गया। प्रतिभा दुबे के संयोजन में आयोजित भजन संध्या में रवि शुक्ला, भारती रूसिया, दिलीप पट्टरिया, शुभांगी शर्मा, अनीता दुबे सहित कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। संचालन विद्वेष भापकर ने किया, जबकि आधार प्रदर्शन प्रतिभा दुबे ने किया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सिहोरा पहुंची 'जल जन सेवा बाइक यात्रा'



सिहोरा (जबलपुर)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वाराणसी से बड़नगर जा रही 'जल जन सेवा बाइक यात्रा' का सिहोरा के रुकमणि पैलेस में भव्य स्वागत किया गया। जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संदेश देने वाली इस यात्रा के स्वागत कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल और विधायक संतोष वरकड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद दुबे ने यात्रा को जल चेतना फैलाने की अनुकरणीय पहल बताया। अंत में अतिथियों ने यात्रियों को शुभकामनाएं देकर रवाना किया।

जबलपुर-रीवा-जबलपुर एक्सप्रेस एलएचबी कोचों के साथ होगी संचालित

3 अक्टूबर 2026 से दोनों दिशाओं में एलएचबी रैक से होगा संचालन

जबलपुर यशभारत।

पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ट्रेनों में आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 11705/11706 एक्सप्रेस के रैक को आईसीएफ के स्थान पर एलएचबी रैक से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक एवं उन्नत डिजाइन से निर्मित होते हैं। पारंपरिक आईसीएफ कोचों की तुलना में इनमें बेहतर सुरक्षा विशेषताएं, अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव तथा उच्च गति पर संचालन की बेहतर क्षमता होती है। हल्के वजन और आधुनिक तकनीकी



संरचना के कारण एलएचबी कोच यात्रियों के लिए अधिक सुरक्षित, सहज एवं सुखद यात्रा सुनिश्चित करने में सहायक हैं। गाड़ी संख्या 11705/11706 जबलपुर-रीवा-जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 3 अक्टूबर 2026 से दोनों दिशाओं में एलएचबी कोच संरचना के साथ संचालित होगी।

एलएचबी रैक की कोच संरचना इस प्रकार होगी:

- 01 एसी 2-टियर कोच (LWACCW)
- 02 एसी 3-टियर कोच (LWACCN)
- 01 एसी 3-टियर इकोनोमी कोच (LWACCNE)
- 01 एसी चैयरकार (सिटिंग) कोच (LWSCZAC)
- 01 स्लीपर कोच (LWSCN)
- 04 चैयरकार द्वितीय (सिटिंग) कोच (LWSCZ)
- 10 सामान्य श्रेणी के कोच (LS)
- 01 गाई सह लगेज एवं ब्रेक वैन (LSLRD)
- 01 जनरेटर कार (LWLRRM)

कुल - 22 एलएचबी कोच पश्चिम मध्य रेल यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ट्रेनों में आधुनिक तकनीक एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पश्चिम मध्य रेल					
सामग्री प्रबंधन विभाग					
(नंबर आपूर्ति हेतु ई-निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/32/2026)					
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://reps.gov.in पर ई-निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।					
क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख	
1	20264057B	एयर कंटेनर [मैन, (आयल लुब्रिकेटेड)] 1745 LPM कैपेसिटी	15 नंबर	28/09/2026	
2	8125WCRT P-27	10 mm थिक पॉइंट टाइप नायलॉन कॉर्ड Reinforced ग्रूटेड रबर सोल प्लेट्स	1200 सेट्स	08/10/2026	
3	38261754	साइड stanchion चैनल फॉर BOXNHL बैगन	1279 नंबर	14/10/2026	
4	8125WCRT P-22A	Manufacture एंड सप्लाय ऑफ मेटल लाइनर to RDSO Drg. No. RT-8748 for 60 kg (UIC)/60 E1 रेल थिक् लेस्टेड alterations-1 कोर यूज थिक् ग्रीडर PSC स्लीपर	11500000 नंबर	16/10/2026	
5	40262064B	बुलासेट DC (BLDC) रेलवे कैरिज फैन कम्पलीट थिक् ब्लेड	3240 नंबर	16/10/2026	
6	8125WCRT P-25A	Manufacture एंड सप्लाय ऑफ मेटल लाइनर 60 kg फॉर यूज थिक् ERC MK-III प्लेट toe on PSC स्लीपर फॉर 60 kg (UIC) रेल	11000000 नंबर	26/10/2026	
50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.reps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता)					
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर					
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर					

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसीलदार अद्वारताल जबलपुर मध्य प्रदेश रा.प्र.35/3552/अ-6/2026-27 जबलपुर 21/09/2026

आम इशतहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक काव्या सिंह लोधी पिता कमल सिंह लोधी मध्य प्रदेश के द्वारा मौज नजूल ब्लॉक नंबर अमखेरा रखवा 600 वर्ग फुट भूमि पर भूमि स्वामी कोमल सिंह लोधी पिता देरी सिंह लोधी के नाम दर्ज है भूमि स्वामी कोमल सिंह लोधी का निधन दिनांक 23.4.2021 को हो गया है भूमि स्वामी कोमल सिंह लोधी के पैत हो जाने उपरांत उनके वारिसाओं के नाम पर पौता नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है तो संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को कोई दवा या पति हो तो नियत पेशी दिनांक 5.10.2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है समय अवधि व्यतीत हो जाने के पक्ष प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। आज दिल्ली की मुद्रा वह मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया। जारी दिनांक - 21/09/2026 पेशी दिनांक - 05/10/2026

अतिरिक्त तहसीलदार अद्वारताल जबलपुर

Office of the Municipal Corporation Jabalpur					
NIT No.:- EE/Water/PRO-594					
Notice Inviting e-Tenders (2 nd Call)					
Date : 22.09.2026					
Online percentage bid for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling eligibility criteria:					
S. No.	Name of the work	Online Tender ID & Date	Probable amount of contract	Cost of Bid Document & Earnest Money Deposit - (EMD) (In Rs)	Time of Completion
01	Construction of Control Panel Room at Umeriya Pump House, Jabalpur	2026_UAD_532164_1	Rs. 3,08,516/- Excluding GST	2,000/- & 3,085,00/-	03 months (Including rainy season)
Interested Bidder can View the NIT on web site http://www.mptenders.gov.in and www.mprurban.gov.in & Amendment to NIT, If any, should be published on web site only, and not in News paper.					
Executive Engineer Municipal Corporation, Jabalpur					

जबलपुर पावर एंड टेक्निकल

JABALPUR POWER AND TECHNICAL

सर्वश्रेष्ठ कंट्रोल पैनल बिल्डर्स

जबलपुर पावर एंड टेक्निकल

कंट्रोल पैनल बिल्डर्स

हमारी विशेषताएँ :

- उच्च गुणवत्ता वाले कंट्रोल पैनल
- MCC, PCC, APFC पैनल का निर्माण
- कस्टमाइज़्ड डिज़ाइन
- सुरक्षित एवं विश्वसनीय स्थापना
- समय पर डिलीवरी और सेवा
- औद्योगिक और व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए समाधान

गुणवत्ता और विश्वरनीयता का वादा!

पता: Yash Bharat, Shatabdipuram, Jabalpur (M.P.) - 482002 ईमेल: jbppower77@rediffmail.com
संपर्क: 9425152041, 7804887888, 7898101226

संपादकीय

कानून कड़े हैं, फिर भी बेटियां क्यों असुरक्षित हैं?

दिल्ली ,बिहार से लेकर ओडिशा तक सामने आई महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं समाज को झकझोरने के लिए काफी हैं। ये घटनाएं महज अपराध की खबरें नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की परीक्षा हैं। छह साल की बच्ची से दुष्कर्म, युवती से कथित सामूहिक दुष्कर्म, नाबालिगों के साथ सड़क पर बदसलूकी और वीडियो प्रसारित करने के आरोप तथा प्रेम का दबाव ठुकराने पर छात्रा पर हमला— घटनाएं अलग हैं, लेकिन सवाल एक है- आखिर अपराधियों में कानून का भय क्यों नहीं दिखता?

हर घटना के बाद एफआईआर, गिरफ्तारी, छापेमारी और जांच की घोषणा होती है। मगर जवाबदेही केवल कार्रवाई

की घोषणा तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संबंधित थाना क्षेत्र में शिकायत मिलने पर कितनी तेजी से प्रतिक्रिया हुई? संभावित खतरे की सूचना पहले मिली थी तो क्या कदम उठाए गए? जांच में देरी हुई तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इन सवालों के जवाब सार्वजनिक और स्पष्ट होने चाहिए।

पुलिस की जवाबदेही सबसे पहली कड़ी है। उत्पीड़न, पीछा करने या धमकी जैसी शिकायतों को ‘छोटी बात’ समझकर टालना गंभीर भूल हो सकती है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिकायत दर्ज कराने वाली महिला या बच्ची को सुरक्षा मिले और संवेदनशील मामलों की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करें। केवल आरोपी की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं; जांच की गुणवत्ता और अदालत में मजबूत अभियोजन की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

जमुई और ढेंकनाल जैसी घटनाएं समाज की भूमिका पर भी कठोर सवाल उठाती हैं। भीड़ के सामने कथित बदसलूकी होती रहे और लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाते रहें, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का संकट नहीं, सामाजिक संवेदनहीनता का भी संकेत है। वीडियो बनाकर उसे फैलाना पीड़िता की गरिमा पर दूसरा आघात है। ऐसे मामलों में वीडियो प्रसारित करने वालों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

सरकारों को हर घटना के बाद बयान जारी करने के बजाय नियमित रूप से यह बताना चाहिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में गरत, प्रकाश व्यवस्था, शिकायत तंत्र और त्वरित सहायता की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही भी केवल अपराध के बाद की कार्रवाई से नहीं, रोकथाम की तैयारियों से तय होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है पीड़ित को न्याय की समयबद्धता। जांच लंबी खिंचे, अभियोजन कमजोर हो और मामला वर्षों तक चलता रहे तो कानून का भय कमजोर पड़ता है। इसलिए हर गंभीर मामले में जांच की समयसीमा, पर्यवेक्षण और अभियोजन की प्रगति की निगरानी जरूरी है।

अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि आरोपी कब पकड़ा जाएगा। सवाल यह भी है कि सुरक्षा कब कहां हुई, उसके लिए कौन जिम्मेदार है और उसे सुधारने की जवाबदेही किसकी है। बेटियों की सुरक्षा घोषणाओं से नहीं, जवाबदेह व्यवस्था से सुनिश्चित होगी।

कड़वे वचन

महावीर ने कहा द्वेष की तरह राग भी आग है । राग और द्वेष क्या है ? इसे यों समझिए कि जब अपना बच्चा रोता है तो दिल में दर्द होता है यह राग है और जब दूसर का बच्चा रोता है तो सिर में दर्द होता है यह द्वेष है । राग और द्वेष दोनों ही संसार के कारण हैं । फर्कइतना है कि द्वेष लोहे की बेड़ी है और राग सोने की । पर हैं तो दोनों की बेड़ियां, जो बंधन का काम करती हैं ।

आज का राशिफल	 ज्योतिषाचार्य विजय लोकेश व्यास
पंचांग:-23 सितंबर 2026 दिन बुधवार, महाभद्र- शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	
मेघ शिवना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें	वृष घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की शिलालस में पावनी पिए
मिथुन उधार लेने व देने से बचे धिमाशियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें	कर्क रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और मित्रि रूपान्तर का जाप करें
सिंह वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं	कन्या कारोबारी कार्य में मन लगेशा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे और नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें
तुला धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र गृह का पूजन करें	वृश्चिक मन प्रफुल्लित रहेगा तेज इाडधियों से बचे हनुमानजी के दर्शन करें
धनु आज मनमोफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे	मकर घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हलुपर होने से बचे शनि का पूजन करें
कुंभ दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं	मीन लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

विचार प्रवाह

धरती की गर्म हो रही सांस बढ़ते खतरे की घंटी

बढ़ता वैश्विक तापमान वाकई मानव सभ्यता और हमारी धरती के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और दुनिया भर के वैज्ञानिकों की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, 2015 से 2025 तक के साल इतिहास के सबसे गर्म 11 साल दर्ज किए गए हैं और पृथ्वी का औसत तापमान लगातार 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक सीमा को पार करने की ओर बढ़ रहा है।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के इस बदलते मिजाज के मुख्य कारण, उनके प्रभाव की गंभीरता को समझा जा सकता है। आपको बता दें कि धरती के बढ़ते औसत तापमान और उससे पैदा हो रहे जलवायु संकट को अब भविष्य की आशांका मानकर टालने का समय नहीं रहा। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से सामने आ रहे वैज्ञानिक आंकड़े इस बात के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में पिघलती बर्फ, बढ़ता समुद्री जलस्तर, महासागरों का गर्म होना, मौसम की चरम घटनाएं और अल नीनो जैसी समुद्री परिस्थितियों का लगातार शक्तिशाली होना आने वाले वर्षों के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल ही में वैज्ञानिक पत्रिका साइंटिफिक डेटा में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी धरती पर मंडराते अस्तित्व के खतरे का एक गंभीर घोषणापत्र है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1979 से अब तक ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से लगभग 12.5 ट्रिलियन टन (11.3 लाख करोड़ मीट्रिक टन) बर्फ पिघल चुकी है। इस पिघली हुई बर्फ की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि इसे पूरे अमेरिका महाद्वीप पर फैला दिया जाए, तो वहां 5 फीट गहरी बर्फ की चादर बिछ जाएगी। बर्फ का यह पिघलाना केवल ग्लेशियरों के सिमटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करीब 3 क्राड्रिलियन गैलन (11.3 क्राड्रिलियन लीटर) पानी में तब्दील हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप 1979 से लेकर अब तक दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगभग 3.1 सेंटीमीटर (1 इंच) बढ़ चुका है। सुनने में। इंच का यह आंकड़ा भले ही मामूली लगे, लेकिन जैसा कि नार्थमिब्रिया यूनिवर्सिटी की आइस साइंटिस्ट इस ओतोसाका चेतावनी देती हैं, इसके परिणाम अत्यंत भयानक हैं। समुद्र का जलस्तर हर एक-तिहाई इंच बढ़ने पर दुनिया भर के 20 से 30 लाख लोगों के इलाकों में हर साल कम से कम एक बार विनाशकारी बाढ़ आने का खतरा पैदा हो जाता है। तटीय शहर और द्वीप धीरे-धीरे जलसमाधि की ओर बढ़ रहे हैं। इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बर्फ केवल गर्म हवा के कारण नहीं पिघल रही। महासागरों का बढ़ता तापमान ग्लेशियरों को नीचे और किनारों से कमजोर कर रहा है। गर्म समुद्री पानी बर्फ की विशाल पतलों को काट रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से टूटकर समुद्र में पहुंच रहे हैं। कुछ ग्लेशियरों के पीछे हटने की गति इतनी अधिक दर्ज की गई है कि वैज्ञानिक भी इसे गंभीर अस्थिरता के संकेत के रूप में देख रहे हैं। बीते पांच दशकों के आंकड़े एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखते हैं। पिछली सदी के सातवें, आठवें और नौवें दशक तक ध्रुवीय बर्फ की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर थी, लेकिन उसके बाद पिघलाव की रफ्तार तेजी से बढ़ी। विशेष रूप से पिछले डेढ़ दशक में यह परिवर्तन अधिक स्पष्ट दिखाई दिया है। कुछ वर्षों में भारी हिमपात या अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण पिघलने की गति अस्थायी रूप से कम अवश्य हुई, लेकिन इससे दीर्घकालीन खतरा समाप्त नहीं हुआ। वैज्ञानिकों का मानना ​​है कि यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव था, स्थायी सुधार नहीं। इसी बीच प्रशांत महासागर में अल नीनो की

एशियाई खेल 2026 में एआई गीता और वीर बताएँगे खेल की नई कहानी

खेल के मैदान में खिलाड़ियों का कौशल और स्टूडियो में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संवाद, भारतीय खेल प्रसारण में तकनीक के नए युग की दस्तक नई दिल्ली। खेल की दुनिया में मुकाबला केवल मैदान पर नहीं होता। समय के साथ खेल को देखने, समझने और दर्शकों तक पहुंचाने का तरीका भी बदलता रहता है। कभी रेडियो की आवाज से खेल का रोमांच घर-घर पहुंचता था। फिर टेलीविजन ने दर्शकों को मैदान के करीब ला दिया। रंगीन प्रसारण, ग्राफिक्स, आँकड़ों और डिजिटल तकनीक ने खेल प्रस्तुति को नया रूप दिया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई खेल प्रसारण की दुनिया में दस्तक दे चुकी है। एशियाई खेल 2026 इस बदलाव के गवाह बनने जा रहे हैं, जहाँ डीडी स्पोर्ट्स अपने स्टूडियो कार्यक्रमों में एआई आधारित दो स्पोर्ट्स विशेषज्ञ ‘गीता’ और ‘वीर’ को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा।

यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ‘गीता’ और ‘वीर’ केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले आभासी चेहरे नहीं होंगे। इन्हें स्टूडियो एंकर के साथ लाइव और वास्तविक समय में संवाद करने के लिए तैयार किया गया है। अर्थात् एआई अब केवल ग्राफिक्स, आँकड़ों या पृष्ठभूमि की तकनीक नहीं रहेगा, बल्कि खेल की बातचीत का हिस्सा बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। भारतीय खेल प्रसारण में यह प्रयोग होने वाले समय की एक ऐसी झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें मानव प्रस्तोता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ही मंच पर संवाद करते दिखाई दे सकते हैं।

प्रसार भारती स्पोर्ट्स ने बाॅश की एआई आधारित सहयोगी तकनीक एवोजो के साथ मिलकर इस पहल को आकार दिया है। एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह से शुरू होकर 4 अक्टूबर 2026 के समापन समारोह तक यह विशेष प्रस्तुति जारी रहेगी। डीडी स्पोर्ट्स के माध्यम से डीडी फ्री डिश पर इसकी पहुँच होगी। साथ ही प्रसार भारती स्पोर्ट्स के यूट्यूब चॅनल और प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म वेब्स पर भी दर्शक इसे देख सकेंगे। यानी यह प्रयोग पारंपरिक टेलीविजन और नए डिजिटल संसार के बीच एक साथ अपनी जगह बनाने जा रहा है।भारत में खेल प्रसारण की परंपरा बहुत पुरानी है। रेडियो के दौर में कमेंटेटर की आवाज ही दर्शकों के लिए मैदान का दृश्य रचती थी। क्रिकेट हो, हॉकी हो या एथलेटिक्स, शब्दों के माध्यम से खेल की पूरी तस्वीर घरों में बनती थी। टेलीविजन आने के बाद दर्शक खिलाड़ी की हर गतिविधि को अपनी आँखों से देखने लगा। इसके बाद तकनीक ने स्लो मोशन, डिजिटल ग्राफिक्स, आँकड़ों और विशेषज्ञ विश्लेषण के माध्यम से खेल को समझने का एक नया संसार बनाया। अब एआई उस यात्रा में एक और अध्याय जोड़ रहा है। ‘गीता’ और ‘वीर’ इसी नए अध्याय के प्रतीक हैं। इन दोनों के नामों में भी भारतीयता की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भले ही वैश्विक



मजबूत होती स्थिति ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समुद्र की सतह के साथ-साथ भीतर जमा असामान्य गर्म पानी वैश्विक मौसम तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अल नीनो का प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण दुनिया के विभिन्न भागों में में कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक वर्षा, कहीं भीषण गर्मी और कहीं जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। भारत के संदर्भ में भी यह विशेष चिंता का विषय है। भारतीय मानसून का संबंध केवल एक समुद्री परिस्थिति से नहीं है, फिर भी प्रशांत महासागर में होने वाले बड़े बदलाव मानसूनी हवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अल नीनो को लेकर किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, लेकिन इसके जोखिम को नजरअंदाज करना भी गंभीर भूल होगी। भारत पहले ही अत्यधिक गर्म दिनों, अचानक होने वाली भारी बारिश, बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी महसूस कर रहा है। हिमालयी क्षेत्र के लिए यह खतरा और भी गंभीर है। बढ़ते तापमान के कारण हिमनदों और ऊँचाई वाले क्षेत्रों की बर्फ के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। बर्फ, चट्टानों और हिमनद झीलों से जुड़ी अचानक घटनाएं नीचे बसे इलाकों के लिए विनाशकारी बन सकती हैं। इसलिए अब मौसम संबंधी चेतावनी प्रणाली को केवल वर्षा और तूफान तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। हिमनदों, पर्वतीय झीलों, बर्फ के खिसकने और चट्टानों की अस्थिरता पर भी लगातार निगरानी आवश्यक है। वैज्ञानिक लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कुछ मिनट पहले मिलने वाली विश्वसनीय चेतावनी भी हजारों लोगों के जीवन और संपत्ति को बचा सकती है। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध देश के लिए आधुनिक उपग्रहों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम पूर्वानुमान और स्थानीय स्तर की चेतावनी व्यवस्था का विस्तार बेहद जरूरी हो गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विश्वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक संस्थानों को इस दिशा में मिलकर काम करना होगा। यह भी समझाना होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तत्काल समाप्त होने वाला नहीं है। यदि दुनिया आज से ही तापमान बढ़ाने वाली गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी कर दे, तब भी महासागरों और हिमनदों में जमा पिछले दशकों की गर्मी का असर लंबे समय तक दिखाई देता रहेगा। यही कारण है कि जलवायु संकट से निपटने की रणनीति दो स्तरों पर होनी चाहिए। पहला, कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को तेजी से कम करना और दूसरा, उन परिवर्तनों के लिए समाज और बुनियादी ढांचे को तैयार करना जिन्हें अब पूरी तरह

रोका नहीं जा सकता। शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का इस्तेमाल, जंगलों की सुरक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण अब केवल पर्यावरण से जुड़े विषय नहीं हैं। ये आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के सवाल बन चुके हैं। इसी प्रकार समुद्री तटों, हिमालयी राज्यों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं को जलवायु जोखिमों को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिकों की चिंता मानना बंद किया जाए। आज लिए गए फैसलों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। धरती का बढ़ता तापमान हमें लगातार चेतावनी दे रहा है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। सवाल अब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन होगा या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके नुकसान को कितना सीमित कर पाते हैं और आने वाले संकट के लिए कितनी जल्दी स्वयं को तैयार कर पाते हैं। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी पर्यावरणीय और मानवीय चुनौती है। दुनिया भर में भयानक हीटवेव , बेमौसम भारी बारिश, जंगलों की आग और भयंकर सूखे की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उदाहरण के लिए, यूरोप इस समय सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन चुका है। प्रशांत महासागर में उठने वाले एल नीनो के कारण वैश्विक मौसमी सिस्टम बिगड़ रहा है, जिससे कई देशों में सूखा और कहीं बाढ़ आ रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यदि यही स्थिति रहनी, तो समुद्र का जलस्तर बढ़ने से दुनिया के कई प्रमुख तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण फसलों की बर्बादी, जल संकट जैसे जलाशयों के जलस्तर में ऐतिहासिक गिरावट और हीट स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं।धरती के गर्म होने के पीछे इंसानी गतिविधियां और जीवाश्म ईंधन जैसे - कोयला, तेल और गैस का अंधाधुंध इस्तेमाल है। इनसे निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड सूर्य की गर्मी को अंतरिक्ष में वापस जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का ऊष्मा असंतुलन पिछले दो दशकों में दोगुना हो चुका है।समय पर नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक - ललित गर्ग)

खेल प्रसारण वही होगा, जहाँ तकनीक और मानवीय

अनुभव एक-दूसरे के पूरक बनें।

युवा दर्शकों के बदलते व्यवहार को भी इस पहल के संदर्भ में समझना होगा। आज की पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बीच बड़ी हुई है। वह केवल कार्यक्रम देखने वाली पीढ़ी नहीं है, बल्कि तत्काल सूचना और संवाद की अपेक्षा रखने वाली पीढ़ी है। खेल के दौरान खिलाड़ी के आँकड़े जानना हो, किसी रिकॉर्ड का इतिहास समझना हो या किसी मुकाबले की पृष्ठभूमि जाननी हो, युवा दर्शक तुरंत जानकारी चाहता है। एआई आधारित प्रस्तुति इसी बदलती दर्शक संस्कृति के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास है।प्रसार भारती के लिए यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सार्वजनिक सेवा प्रसारण की सबसे बड़ी ताकत उसकी व्यापक पहुँच है। एक ओर डीडी फ्री डिश देश के बड़े हिस्से तक पहुँच प्रदान करता है, तो दूसरी ओर यूट्यूब और ओटीटी जैसे मंच नई पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ते हैं। इन दोनों माध्यमों को एक साथ लेकर चलना भारतीय खेल प्रसारण को अधिक व्यापक और बहुस्तरीय बना सकता है।एशियाई खेल 2026 इस प्रयोग के लिए उपयुक्त मंच है। एशिया की खेल प्रतिभा एक ही जगह दिखाई देगी। भारत के खिलाड़ियों से करोड़ों देशवासियों की भावनाएँ जुड़ी होंगी। पदक तालिका से लेकर व्यक्तिगत रिकॉर्ड तक हर दिन नई कहानियाँ सामने आएँगीं। ऐसे माहौल में ‘गीता’ और ‘वीर’ का एआई आधारित संवाद यह दिखाने का प्रयास करेगा कि तकनीक खेल की कहानी कहने के तरीके को किस तरह बदल सकती है।

यह बदलाव केवल प्रसारण तक सीमित नहीं रहने वाला है। आने वाले समय में खेल प्रशिक्षण, खिलाड़ी विश्लेषण, दर्शक अनुभव, बहुभाषी कमेंट्री, आँकड़ा विश्लेषण और डिजिटल सामग्री निर्माण में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका बढ़ सकती है। विश्व के अनेक खेल संगठन और प्रसारण संस्थान पहले ही एआई के अलग-अलग प्रयोग कर रहे हैं। भारत में सार्वजनिक प्रसारण के स्तर पर इस तरह की पहल तकनीकी क्षमता और व्यापक जन-पहुँच के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब विश्वस्तरीय खेल प्रसारण की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। स्टेडियम में अत्याधुनिक सुविधाएँ हों, खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिले, खेल बुनियादी ढाँचा मजबूत हो, लेकिन करोड़ों दर्शकों तक आयोजन की कहानी प्रभावी ढंग से न पहुँचे तो उसकी व्यापकता अधूरी रह जाती है। आज खेल आयोजन की सफलता का एक पैमाना यह भी है कि उसे दुनिया किस तरह देखती और अनुभव करती है। इस लिहाज से एआई आधारित प्रसारण भारत की तकनीकी क्षमता का भी परिचय बन सकता है।हालाँकि इस पूरी प्रक्रिया

में कुछ सवाल भी स्वाभाविक हैं। क्या एआई प्रस्तोता दर्शकों के साथ वैसा भावनात्मक जुड़ाव बना पाएगा जैसा कोई अनुभवी एंकर या कमेंटेटर बनाता है? क्या तकनीक खेल के वास्तविक रोमांच को बढ़ाएगी या कहीं वह स्वयं आकर्षण का केंद्र बन जाएगी? क्या दर्शक आभासी विशेषज्ञ को सहजता से स्वीकार करेंगे? इन सवालों के जवाब एशियाई खेलों के दौरान मिलने वाली दर्शक प्रतिक्रिया से सामने आएँगे।ऐसे में किसी भी नई तकनीक का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह परंपरा से कितनी अलग है। असली सवाल यह है कि वह दर्शक के अनुभव को कितना बेहतर बनाती है। यदि ‘गीता’ और ‘वीर’ खेल संबंधी जानकारी को अधिक सहज, सटीक, संवादात्मक और रोचक बना पाते हैं, तो यह प्रयोग भविष्य के लिए एक उपयोगी मॉडल बन सकता है। यदि तकनीक केवल दृश्य आकर्षण बनकर रह जाती है तो उसका प्रभाव सीमित रहेगा। दरअसल, एशियाई खेल 2026 में मैदान पर एक तरफ खिलाड़ी अपने कौशल, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ पदक के लिए संघर्ष करेंगे। दूसरी तरफ स्टूडियो में तकनीक एक नए रूप में खेल की कहानी कहेगी। मानव और मशीन के बीच यह संवाद भारतीय खेल प्रसारण के लिए एक नए दौर की शुरुआत का संकेत हो सकता है।‘गीता’ और ‘वीर’ इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि वे हमें भविष्य की उस दुनिया की झलक दिखाते हैं जहाँ खेल केवल मैदान में नहीं खेला जाएगा, बल्कि उसकी कहानी कहने की तकनीक भी लगातार विकसित होती रहेगी। आने वाले समय में संभव है कि दर्शक किसी खिलाड़ी के रिकॉर्ड पर एआई से तुरंत सवाल करें, किसी मुकाबले के ऐतिहासिक संदर्भ को उसी क्षण समझे और खेल की जटिल जानकारी को अपनी भाषा में प्राप्त करें। लेकिन इस तकनीकी यात्रा के बीच खेल का मूल तत्व नहीं बदलना चाहिए। खेल में रोमांच खिलाड़ी पैदा करता है, संघर्ष खिलाड़ी करता है और इतिहास खिलाड़ी बनाता है। तकनीक उस कहानी को अधिक लोगों तक, अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का माध्यम हो सकती है। यही संतुलन ‘गीता’ और ‘वीर’ जैसे प्रयोगों की सफलता का आधार बनेगा।एशियाई खेल 2026 इसलिए केवल पदकों और रिकॉर्डों का आयोजन नहीं होंगे। वे भारतीय खेल प्रसारण के बदलते स्वरूप के भी साक्षी बन सकते हैं। मैदान में मानव प्रतिभा और स्टूडियो में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संवाद एक साथ दिखाई देगा। ‘गीता’ और ‘वीर’ की आवाज में खेल की नई कहानी सुनाई देगी और भारत यह अनुभव करेगा कि तकनीक जब मानवीय संवेदन के साथ जुड़ती है, तो वह केवल प्रसारण का माध्यम नहीं रहती, बल्कि दर्शक और खेल के बीच एक नया रिश्ता बनाने की क्षमता भी रखती है।

(लेखक - विनोद सिंह ‘तकियावाला’)

सात प्रमुख विसर्जन स्थलों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, 1399 प्रतिमाओं का विधि-विधान से कराया गया विसर्जन

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निगम ने संभाली कमान

भोपाल, यश भारत ।

गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान और सुरक्षित विसर्जन के लिए नगर निगम ने शहरभर में व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। डोल ग्यारस पर छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 25 अस्थायी एकत्रीकरण केंद्र और चार विसर्जन घाट बनाए गए। समाचार लिखे जाने तक इन केंद्रों और घाटों पर कुल 1399 गणेश प्रतिमाएं प्राप्त कर विधि-विधान से विसर्जित कराई जा चुकी थीं। विसर्जन व्यवस्था का जायजा लेने निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने मंगलवार सुबह शहर के सात प्रमुख विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रेमपुरा, रानी कमलापति, खटलापुरा, शाहपुरा, बैरागढ़, मालीखेड़ा और हथाईखेड़ा स्थित घाटों व कुंडों पर व्यवस्थाएं देखीं। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन के दौरान प्रकाश, पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था में किसी तरह की कमी न



रहे। प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रोन सहित अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने तथा विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेष तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए।

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी

विसर्जन के दौरान सुरक्षा को लेकर घाटों पर बैरिकेडिंग, गोताखोर, नाव और आवश्यक उपकरणों से लैस अग्निशमन दल की व्यवस्था

सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रमुख विसर्जन स्थलों पर नियंत्रण कक्ष स्थापित कर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से व्यवस्थाओं के संचालन के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र और सूचना पट्टों की



व्यवस्था भी रखने को कहा गया।

खटलापुरा घाट पर सबसे ज्यादा 564 प्रतिमाएं

जोन स्तर पर बनाए गए प्रतिमा एकत्रीकरण केंद्रों और विसर्जन

घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने छोटी गणेश प्रतिमाएं निगम को सौंपीं। बैरागढ़ अग्निशमन केंद्र पर 63, शाहपुरा विसर्जन घाट पर 100 और खटलापुरा घाट पर सबसे अधिक 564 प्रतिमाएं प्राप्त हुईं। पांच नंबर तालाब, नेहरू नगर और

पीएंडटी चौराहा केंद्रों पर 88 प्रतिमाएं पहुंचीं। मीनाल रेसीडेंसी केंद्र पर 56, कालीजी मंदिर पर 35, लालघाटी क्षेत्र में 20 तथा नादरा बस स्टैंड और मंगलवारा क्षेत्र में 13 प्रतिमाएं प्राप्त हुईं। वहीं नीलबड़,

प्रेमपुरा और रानी कमलापति क्षेत्र में कुल 398 प्रतिमाएं पहुंचीं। अन्य जोन के एकत्रीकरण केंद्रों पर भी प्रतिमाएं प्राप्त कर उनका विधि-विधान से विसर्जन कराया गया।

निगम आयुक्त ने डोल ग्यारस पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए अस्थायी एकत्रीकरण एवं विसर्जन स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छोटी प्रतिमाओं को कुंडों और निर्धारित पात्रों में विधि-विधान से विसर्जित कराने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अश्वय कुमार तेम्रवाल, तन्मय वशिष्ठ शर्मा, वरुण अवस्थी, अमन मिश्रा, अभिषेक सिंह, वरुण बडैरिया, उपायुक्त भुवन गुप्ता व चंचलेश गिरहारे सहित मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, आर.आर. जरोलिया और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



डोल ग्यारस पर राधाकृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना

भोपाल, यश भारत । महापौर मालती राय ने डोल ग्यारस के अवसर पर बरखेड़ी स्थित राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान राधाकृष्ण के दर्शन कर धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर जोगी समाज की ओर से महापौर का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में हेमंत जोगी, साधना यादव, देवेंद्र जोगी सहित समाज के पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

मनुआभान टेकरी प्लांट से आज जलप्रदाय रहेगा प्रभावित

भोपाल, यश भारत । मनुआभान टेकरी जलसंधिखन संयंत्र में आवश्यक संधारण और राष्ट्रीय राजमार्ग के इंटर कनेक्शन कार्य के चलते बुधवार, 23 सितंबर को सुबह 5 बजे से रात 11.59 बजे तक शटडाउन लिया जाएगा। इसके कारण प्लांट से जुड़े कई क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। बरूमल कॉलोनी, नवाब कॉलोनी, प्रेमनगर, सुंदरनगर, रासलाखेड़ी, मालीखेड़ी, भानपुर रोड, करौंद, देवकी नगर, कमल नगर, पंचवटी कॉलोनी, छोला मंदिर, सत्यज्ञान नगर, शंकर नगर, टिंबर मार्केट, नगर निगम कॉलोनी सहित संबंधित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी।

21 पशु कांजी हाउस भेजे, सात घायल पशु अस्पताल पहुंचे

भोपाल, यश भारत ।

नगर निगम ने सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में घूम रहे पशुओं के खिलाफ अभियान चलाते हुए मंगलवार को 21 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा। बीमार और घायल सात पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया गया। निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया, जबकि 18 पशुओं को खजूरीकलां कांजी हाउस से रामकृष्ण गौशाला भेजा गया। मालीखेड़ी, संत हिरदाराम नगर, प्रेमपुरा, खटलापुरा, शाहपुरा, हथाईखेड़ा, रानी कमलापति घाट, कमला पार्क, आनंद नगर, करौंद, भानपुर, बैरागढ़, लालघाटी और कोलार रोड सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार

छात्र संघ पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

भोपाल, यश भारत ।

महापौर मालती राय ने शिवाजी नगर स्थित शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र संघ की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। महापौर ने छात्राओं को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पार्षद शिखा गोहल, प्राचार्य, शिक्षक और छात्राएं मौजूद रहीं।



बालिका खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर विभिन्न वर्गों के

बीना स्टेशन पर काम से बदलेगा ट्रेनों का संचालन

भोपाल, यश भारत ।

बीना स्टेशन पर तीसरी रेल लाइन की कनेक्टिविटी से जुड़े प्री-एनआई और एनआई कार्य के चलते अक्टूबर में कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस समेत कुछ ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं, जबकि कुछ को बीच के स्टेशनों से चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस और 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 1 से 15 अक्टूबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस संत हिरदाराम नगर, मक्सी और रुठियाई होकर कोटा जाएगी।

दमोह-बीना पैसेंजर 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक बीना मालखेड़ी पर समाप्त होगी और बीना-ग्वालियर पैसेंजर इसी स्टेशन से शुरू होगी। रुठियाई-बीना और बीना-रुठियाई मेमू 18 से 29 सितंबर तक महादेवखेड़ी से चलेंगी। वहीं



इटारसी-भोपाल और भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस 9 से 15 अक्टूबर तक दमोह तक ही संचालित होगी।

52 स्थानों से लिए पानी के नमूने, छह लीकेज सुधारे

भोपाल, यश भारत । शहर में पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नगर निगम ने मंगलवार को 52 स्थानों से पानी के नमूने लिए। इसके साथ ही छह स्थानों पर पाइपलाइन के लीकेज सुधारे गए और जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों का निराकरण किया गया। निगम के अनुसार अब तक 30477 पानी के नमूने लिए गए चुके हैं, जिनमें 13983 नमूने झुग्गी बस्ती क्षेत्रों से हैं। इनकी जांच निगम की आठ परीक्षणशालाओं में की जा रही है। जलकार्य अमले ने इब्राहिमगंज, वाजपेयी नगर, अहीर मोहल्ला, सोनागिरी और दानिशकुंज सहित अन्य क्षेत्रों में लीकेज सुधारे।

90 आवारा श्वान पकड़े, नसबंदी के लिए भेजे

भोपाल, यश भारत । नगर निगम ने आवारा श्वानों की नसबंदी और एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान के तहत मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 90 श्वान पकड़े। इन्हें नसबंदी के द्रो में भेजा गया। नसबंदी के बाद 87 श्वानों को उसी स्थान पर वापस छोड़ा गया। निगम के डॉग स्वाड ने 30 श्वानों को कजलीखेड़ा, 28 को आदमपुर और 29 को अरवलिया स्थित एबीसी केंद्र भेजा। निगम के अनुसार आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेज

भोपाल, यश भारत । मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के तहत बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण तेजी से चल रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार पहले खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है और 2027 में इस पर सेवा शुरू करने की तैयारी है। ट्रेन के ढांचे, बोगी, प्रणोदन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पहिए और पेंटोग्राफ पर काम जारी है। ट्रेन के ढांचे की मजबूती की जांच के लिए परीक्षण भी किया जा रहा है। सेवा शुरू होने से पहले व्यापक परीक्षण किए जाएंगे। बीकेसी-ठाणे समुद्र के नीचे बनने वाली सुरंग का काम भी आगे बढ़ रहा है। शाफ्ट और दोनों टनल बोरिंग मशीनों की स्थापना पूरी हो चुकी है। कॉरिडोर में सुरंग, स्टेशन और पुल निर्माण के कार्य भी जारी हैं।

1120 दीपक जलाकर संतजी के संदेश को दोहराया

एलवीएस ने मनाया अवतरण दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रम



हिरदाराम नगर, यशभारत ।

लक्ष्मीदेवी विक्कीमल शर्मा एज्यूकेशनल सोसायटी गांधीनगर के विद्यालयों में संत हिरदाराम साहिबजी के अवतरण दिवस पर कुटिया पर 1120 दीपक प्रज्वलित किए गए विद्यालय में विद्यार्थियों ने संत जी के जीवन और विचारों पर आधारित भजन, नाटक, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर संस्था के रमेश हिंमोराजी ने कहा कि संत हिरदाराम साहिब जी का जीवन सत्य, प्रेम, सेवा और मानवता का प्रतीक है, जो समाज को हमेशा सकारात्मक दिशा दिखाता रहेगा। अंत में, सभी छात्रों और शिक्षकों ने रामधुनी का गायन कर संत जी के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। गणमान्य नागरिक, शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के दीप जलाए

संत हिरदाराम जी साहिब के 120वें अवतरण दिवस पर संतनगर सहित विभिन्न शहरों में दीप प्रज्वलित कर संतजी सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के संदेश को दोहराया गया। संतनगर में शाम 7 बजे प्रत्येक घर और व्यापारिक प्रतिष्ठान पर पाँच-पाँच दीप जलाए गए। संतजी के समाधि स्थल पर 1,120 दीपों की ज्योति प्रज्वलित की गई। यह दीप केवल प्रकाश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि संत जी के सेवा, सुमिरन, स्वास्थ्य, शिक्षा और शांति के संदेश को आने वाली पीढ़ियों तक 1,000 वर्षों तक पहुँचाने के अटूट संकल्प का प्रतीक बने। इस अवसर पर जीव सेवा संस्थान सचिव महेश दयारामनी व गणमान्य लोग शामिल हुए

एसएचआईएम की सलोनी एवं मुस्कान ने फाइनल में जगह बनाई

एसएचआईएम में हुआ नेशनल फाइनैशियल लिटरसी विवज का सेंट्रल रीजनल राउंड



हिरदाराम नगर, यशभारत ।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एसएचआईएम में सेबी के मार्गदर्शन में एनआईएसएम द्वारा 19-20 सितंबर 2026 को नेशनल फाइनेशियल लिटरसी विवज के सेंट्रल रीजनल राउंड का आयोजन किया गया। देशभर के 2,000 से अधिक कॉलेजों और 4 लाख विद्यार्थियों में से मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठ यूजी और पीजी वर्ग की 60-60 टीमों का चयन इस चरण के लिए हुआ था। प्रतिस्पर्धा में आईआईएम रायपुर, वीआईटी भोपाल और सिम्बायोसिस इंदौर जैसे प्रमुख संस्थानों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता से भोपाल की यूजी वर्ग की 4 और पीजी वर्ग की 2 टीमों राष्ट्रीय फाइनल के लिए क्वालीफाई हुईं। एसएचआईएम की सलोनी वर्मा एवं मुस्कान साहू ने राष्ट्रीय स्तर के फाइनल में अपनी जगह बनाई। राष्ट्रीय फाइनल का आयोजन 30 नवंबर 2026 को एनआईएसएम मुंबई में होगा। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हिरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं ग्रुप एडवाइजर पी. एस. राठौर ने विजेता छात्राओं को बधाई दी है।

15 दिनों के अंदर खामियां दूर करने का अल्टीमेटम दिया

ब्रिज निर्माण की प्रगति देखने आए लोनिवि मंत्री ने अफसरों और निर्माण कंपनी को लगाई फटकार

हिरदाराम नगर, यशभारत

संत हिरदाराम नगर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज और उसके आसपास की बहाल सड़कों की जमीनी हकीकत परखने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री राकेश सिंह मंगलवार को अचानक निरीक्षण पर पहुंचे। स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ निर्माण स्थल का जायजा लेते हुए मंत्री ने मौके पर फैली अव्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी जताई। कार्य की धीमी गति और लापरवाही को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और अगले 15 दिनों के भीतर सभी खामियों को दुरुस्त करने का



कड़ा अल्टीमेटम दिया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पेनाल्टी के आदेश

स्थल निरीक्षण के दौरान निर्माण क्षेत्र की सड़कें बेहद जर्जर और बड़े-बड़े

गड्ढों से भरी पाईपाई। स्ट्रीट लाइटें बंद रहने और सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने पर रोष जताते हुए मंत्री ने मौके पर ही निर्माण कंपनी पर पेनाल्टी ठोकने के कड़े निर्देश जारी किए। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों को

धूल से निजात दिलाने के लिए नियमित पानी के छिड़काव, सिविल अस्पताल के पास की अव्यवस्थाओं को ठीक करने और रात में काम के दौरान पर्याप्त लाइटिंग व सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

ग ों की शिकायत के लिए जनता से मदद की अपील

जनसुविधा को सर्वोपरि बताते हुए मंत्री राकेश सिंह ने एक नई पहल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी की किसी भी सड़क पर गड्ढा दिखने पर आम नागरिक उसकी फोटो खींचकर साझा कर सकते हैं, ताकि विभाग उस पर तुरंत कार्रवाई कर सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंजीनियरों की कार्यशैली में सुधार लाया जा रहा है और जनता को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण सड़कें उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

यद्यपि इस फ्लाईओवर प्रोजेक्ट को पूरा करने की मूल समय-सीमा अक्टूबर तय की गई है, फिर भी मंत्री ने पूरी प्रशासनिक कसावट के साथ काम में तेजी लाने पर बल दिया। विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ पूरे मार्ग का मुआयना करने के बाद उन्होंने अब तक हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों से आगे की कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए समय पर काम पूरा करने की हिदायत दी।

लगाय से ही इस जनत में यश का लाला होता है और परलोक में महान अमृतदुध की प्राप्ति होती है पूजा गुस्वर मुनि श्री 108 निलोंप सागर श्री महाराज ने भी अपने मार्गात्मक प्रवचन में कहा कि आज धर्म की प्रेरणा प्रकृति ही देती है वृक्ष पुराने पत्तों को छोड़ता है और नए पत्तों का आना होता है गाय अपना दुध सभी लोगों को देती है और उन्हें उसको दुध आता है यह सब बात का संकेत है कि धर्म की प्रेरणा हमें प्रकृति से मिलती रही है नवदा प्रकृत दान देने से यह दान हर्षशा फलता फूलता है मेघ काले होते हैं



एशियन गेम्स 2026 3 ऑल-आउट और 63 अंक रेडर्स और डिफेंडर्स ने कर दी पॉइंट्स की बौछार

आइची-नागोया:

एशियन गेम्स 2026 में अपने गोल्ड मेडल की रक्षा करने उतरी भारतीय मेंस कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार सुबह तोकाई सिटीजन्स जिम्मेजियम में खेले गए र्ग-ए के अपने दूसरे मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने साउथ कोरिया को 63-31 के बड़े अंतर से हरा दिया। अपने पहले मैच में मेजबान जापान को मात देने के बाद, भारत की यह प्रतियोगिता में लगातार दूसरी धमाकेदार जीत है।

कप्तान सुनील कुमार की अगुवाई में उतरी भारतीय टीम ने मैच के पहले मिनट से ही कोरिया पर शिकंजा कस लिया था। भारतीय रेडर्स ने कुल 38 टच/आउट पॉइंट हासिल किए, जबकि डिफेंस ने कोरियाई अटैक को अपने कोर्ट में पकड़ते हुए टैकल पॉइंट्स की बौछार कर दी।

हाफ-टाइम तक ही पक्की हो गई थी जीत-मैच की शुरुआत से ही भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने

तालमेल का बेहतरीन नजारा पेश किया। पहले हाफ में भारत ने दो बार कोरियाई टीम को ऑल-आउट किया। ब्रेक के समय तक भारत ने 34-14 की विशाल 20-पॉइंट्स की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी कहानी नहीं बदली। हालांकि कोरियाई रेडर्स ने वापसी की कुछ कोशिशें कीं, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। भारत ने दूसरे हाफ में एक और ऑल-आउट (मैच में कुल 3 ऑल-आउट) थोपते हुए स्कोरबोर्ड पर 63 अंक टांग दिए। मैच के अंत में भारत का बोनस पॉइंट्स का अंकड़ा 17 तक पहुंच गया था।

अगला मुकाबला बांग्लादेश से- इस जीत के साथ ही भारतीय टीम र्ग-ए की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है। पिछले 10 में से 8 एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीत चुकी भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार, 23 सितंबर को र्ग-ए में बांग्लादेश से होगा।

रोहित जब तक रन बना रहे हैं उन्हें खेलते रहने दें : चेतन शर्मा

मुंबई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा का कहना है कि कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अभी संन्यास के लिए मजबूर न करते हुए तब तक खेलते रहने देना चाहिये जब तक कि वह रन बना रहे हैं। पिछले करीब एक साल से रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें टीम में बनाये रहने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे समय में चेतन ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि जब तक वह फिट हैं और रन बना रहे हैं, उन्हें एकदिवसीय क्रिकेट

खेलना रहने देना चाहिए। चेतन शर्मा के अनुसार उम्र केवल एक नंबर है और उसे चयन का पैमाना नहीं बनाया जा सकता।

साथ ही कहा , अगर रोहित शर्मा 2027 विश्व कप खेल सकते हैं, तो इसमें क्या खराबी है? यह बयान रोहित के अगले विश्व कप तक खेलने की संभावनाओं को बल देता है, बशर्ते उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रहे। शर्मा ने अपनी इस राय को सिर्फ रोहित तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विराट कोहली का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अगर विराट कोहली अभी भी फिट हैं और रन बना रहे हैं, तो उन्हें



भी खेलते रहना चाहिए। विराट हमेशा से भारतीय क्रिकेट की अमूल्य संपति रहे हैं। शर्मा का मानना है कि ऐसे दिग्गजों को, जो फिट रहते हुए देश के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, टीम में बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, अगर वे फिट हैं और भारत के लिए रन बना रहे हैं, तो हमें खुश होना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उस फैसले पर खुशी जतायी जिसमें बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए फिट और उपलब्ध होने पर घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य बनाया

है।शर्मा ने याद किया कि जब वह भारत के मुख्य चयनकर्ता थे, तब उनकी सोच यही थी कि यदि कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो उसे राष्ट्रीय टीम में मौका मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट आयोजित करने के लिए बहुत पैसा और प्रयास खर्च करता है, और इसलिए हमें घरेलू क्रिकेट का सम्मान करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि बीसीसीआई के इस निर्देश को देखकर उनका सपना सच हो गया है, और इसके लिए वह बोर्ड के वाकई आभारी हैं। उन्होंने सभी फिट खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी या अन्य प्रथम

रंग संसार



दीपिका-रणवीर के घर आई दूसरी नन्ही परी

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के पावर कपल, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, 19 सितंबर 2026 को एक बार फिर माता-पिता बने हैं। इस बार भी उनके घर एक नन्ही बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी की खबर को उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए साझा किया। पोस्ट में नवजात बच्ची के छोटे पैरों के निशान के साथ बेबी गर्ल का स्वागत हैः19/9/2026जुआ, दीपिका, रणवीर लिखा था। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस खुशखबरी पर अपनी खुशी जाहिर की। इससे पहले, रणवीर और दीपिका ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के साथ प्यारी फैमिली तस्वीरें साझा की थीं। दीपिका और रणवीर ने इस साल अप्रैल में अपने दूसरे बच्चे के आगमन की घोषणा की थी। उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, दीपिका और रणवीर ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में एक निजी समारोह में शादी की थी।

सलमान ने बच्चे को भीड़ से बचाया

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों गणेश चतुर्थी के जश्न में पूरी तरह डूबे हुए हैं। बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए वह लगातार अलग-अलग गणपति पंडालों में पहुंच रहे हैं। अंबानी परिवार के गणपति उत्सव और अपने परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल होने के बाद सलमान खान हाल ही में महाष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। जब सलमान खान वहां से बाहर निकल रहे थे, तो बाहर मौजूद फैंस की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। जब उनकी सिक्योरिटी टीम उन्हें भीड़ के बीच से उनकी कार की ओर ले जाने की कोशिश कर रही थी, तभी सलमान ने एक बच्चे को भीड़ के पास आते देखा। एक पैपरपुत्री द्वारा शेरार किए गए वीडियो में सलमान को अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए दिखाया गया। उन्होंने बच्चे से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ने से पहले उसे भीड़ से बाहर निकलने में धीरे से मदद की। इस घटना ने सलमान की मानवता और बच्चों के प्रति उनके प्यार को दर्शाया।

मंधाना ने सबको पीछे छोड़ दिया, इंटरनेशनल क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं, जापान में रचा इतिहास

निशिन (जापान)

टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बनीं हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स मुकाबले में अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसी महीने की शुरुआत में वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं थी। वहीं, पिछले मैच में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर बनीं थीं। अब उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इसके साथ ही वह अपने करियर के उस दौर में पहुंच चुकी हैं, जहां हर मैच में वह कोई न कोई रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत के लिए सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर चुके हैं।

टी20 में 37 अर्धशतक-स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में अपने टी20 करियर का 37वां अर्धशतक भी पूरा किया। वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाली बल्लेबाज भी



कामिल पूरन और निकोलस पूरन के रिश्ते की अटकलें गलत निकलीं

जमैका (ईएमएस)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए अपनी जो टीम घोषित की है। उसमें पहली बार कामिल पूरन नाम के खिलाड़ी को शामिल किया गया है। इससे प्रशंसकों के दिमाग में सवाल उठ रहे हैं कि कामिल क्या क्या निकोलस पूरन के भाई है ? गौरतलब है कि पूरन वेस्टइंडीज टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी होने के साथ ही संन्यास के बाद दुनियाभर की फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलते हुए अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रहे हैं। वह वेस्टइंडीज टीम के कप्तान भी रहे हैं। ऐसे में एक ही उपनाम के साथ एक और पूरन का टीम में आना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा पैदा करता है। वहीं अब ये तथ्य सामने आया है कि निकोलस पूरन और कामिल पूरन भाई के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। दोनों आपस में भाई नहीं



हैं। दोनों के बीच एकमात्र समानता उनका आखिरी नाम पूरन होना है। यह केवल एक संयोग है कि दो अलग-अलग क्रिकेटर एक ही उपनाम साझा करते हैं।

हालांकि, उपनाम के अलावा कुछ और दिलचस्प बातें हैं जो दोनों में समान हैं। निकोलस पूरन और कामिल पूरन दोनों ही कैरेबियन द्वीप समूह के त्रिनिदाद और टोबैगो क्षेत्र से आते हैं। इसके अलावा, उनकी उम्र भी लगभग एक जैसी ही है,



लालबागचा के दरबार में बॉलीवुड सितारों का समागम

मुंबई, यशभारत। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, मुंबई के सुप्रसिद्ध लालबागचा राजा के पंडाल में हर साल की तरह इस साल भी आम भक्तों के साथ-साथ बॉलीवुड और टेलीविज़न जगत के कई सितारों का तांता लगा रहा। गणपति बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए कई सेलेब्स अपने परिवार के साथ पहुंचे और भक्ति में लीन दिखाई दिए। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी गणेश उत्सव के अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेने पंडाल पहुंचे, जहाँ वे पूरी श्रद्धा के साथ भगवान गणेश के दर्शन करते नजर आए। इसी कड़ी में, अभिनेत्री तापसी पन्नू मशहूर लेखिका और फिल्ममेकर कनिका छिन्नो के साथ लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचीं। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर तापसी पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत और सादगीपूर्ण लुक में दिखीं। पंडाल में वे बप्पा का आशीर्वाद लेती और श्रद्धा भाव से हाथ जोड़कर नमन करती दिखीं, साथ ही पैपरपुत्री को देखकर मुस्क्राते हुए पोज़ भी दिए। अभिनेता अजय देवगन भी अपने बेटे युग के साथ गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे।

बिना प्रार्थना किए कुछ मिलना नामुमकिन!: अमिताभ बच्चन

मुंबई, यशभारत।

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए जिंदगी में कभी हार न मानने और छोटे प्रयासों के महत्व को लेकर एक खास संदेश दिया है। अभिनेता ने अपने इस प्रेरक संदेश में लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे से जिंदगी की मुश्किलों की तुलना की, जो उनके गहरे चिंतन को दर्शाता है। बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा, कुछ बिना बोले होता है, कुछ बोलके होता है और कुछ ठोक-ठक के होता है, लेकिन होता जरूर है।

उन्होंने ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए समझाया कि लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर चढ़ने में देर हो जाए तो वो बंद होने लगता है। उस वक अगर एक छोटी सी उंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो वो खुल जाता है और वापस अपनी जगह पर चला जाता है। ठीक इसी तरह, अमिताभ बच्चन ने कहा कि जिंदगी में भी एक छोटी सी कोशिश या प्रार्थना एक



बंद दरवाजे को खोल सकती है, चाहे वो एक छोटी सी उंगली के बराबर ही क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा, बिना प्रार्थना किए कुछ मिले-नामुमकिन! कोशिश करते रहो, चलते रहो, लगे रहो, किसी दिन, वो दरवाजा तंग आकर खुल जाएगा। यह संदेश हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है कि जीवन में संघर्षों के बावजूद उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए।

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्रिज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन होस्ट कर रहे हैं, जो भारतीय टेलीविजन के सबसे सफल और आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक बन चुका है। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और तब से इसने लाखों लोगों को सपनों की पूरा करने का मंच दिया है। कौन बनेगा करोड़पति ब्रिटिश शो हू वांट्स टू बी अ मिलियनेयर? का हिंदी वर्जन है। इसका फॉर्मेट मूल शो जैसा ही है, जिसमें प्रतियोगियों से बहुविक्तलीप्य सवाल पूछे जाते हैं।

